

स्नातकोत्तर कक्षा एम०एस-सी०-गणित का शुभारंभ किया गया

**विजनीर टुडे खुशीद आलम
लखनऊ संवाददाता**

लखनऊ। स्नातकोत्तर कक्षाओं एम०एस-सी०-गणित का शुभारंभ किया गया। आज दिनांक- 15.11.2022 मंगलवार को गणित विभाग, बाप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर कक्षाओं एम०एस-सी०-गणित का शुभारंभ किया गया। स्नातकोत्तर कक्षा हेतु प्रथम व्याख्यान पं० दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्रो० सुधीर कुमार श्रीवास्तव द्वारा दिया गया। ज्ञात हो कि प्रो० श्रीवास्तव के०के०वी० के पूर्व छात्र भी रहे हैं। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो० रमेश धर द्विकंद्री द्वारा उन्हें पुण्य गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती की आराधना के उपरांत मंचासीन महानुभावों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। गणित विभाग के



अध्यक्ष प्रो० रमेश दीक्षित द्वारा गताया गया कि गणित विभाग में स्नातकोत्तर कक्षाओं की मान्यता हेतु पूर्व से ही प्रयास किया जा रहा था, जो जाकर मई 2022 में फलीभूत हुआ। इस अवसर पर उन्होंने समस्त बी०एस०एन०वी० परिवार, शिक्षकों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया। श्री दीक्षित ने बताया कि गणित में स्नातकोत्तर कक्षा हेतु प्रवेश लेने वाली प्रथम छात्रा कु० दिव्या रस्तोगी है। वर्तमान में पूरी 66 सीटों पर प्रवेश दिया जा चुका है जबकि अभी भी कुछ छात्र प्रवेश हेतु महा० में पूछताछ कर अपना प्रवेश चाहते हैं। सनद रहे कि लखनऊ विश्वविद्यालय के

अतिरिक्त बी०एस०एन०वी० पी०जी० कॉलेज में ही एम०एस-सी०-गणित की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।

प्रो० सुधीर कुमार श्रीवास्तव द्वारा ज्यामिति व टोपोलॉजी पर दिये गये अपने व्याख्यान में बताया गया कि गणित के किसी भी शीर्षक की एक लाइन की परिभाषा अवश्य पता होनी चाहिए। तत्पश्चात् परिभाषा की गहराई में जाकर विश्लेषण किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने लगभग 35 वर्ष के अध्यापन अनुभव के आधार पर एम०एस-सी०-गणित के विद्यार्थियों को बताया कि गणित का गहन अध्ययन सबको साथ

लेकर चलना मिखाता है, जिसका भारतीय पुरातन सभ्यता से भी गहरा संबंध है। उनके द्वारा अपने समय में के०के०वी० में गणित विभाग के पूर्व शिक्षकों के अध्यापन की भरपूर प्रशंसा भी की गई और विद्यार्थियों को वर्तमान फैकल्टी के अनुभव का लाभ प्राप्त कर अच्छे अंकों के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय में टॉप करने की सीख भी दी गई। कार्यक्रम में पी०जी० प्रवेश समिति के समन्वयक राकेश चन्द्र, प्रो० के० के० बाजपेई, प्रो० दीपक कुमार श्रीवास्तव, प्रो० जय प्रताप सिंह, प्रो० देवेन्द्र, प्रो० अरविन्द कुमार तिवारी, डॉ० श्रवण कुमार, डॉ० अश्वनी कुमार श्रीवास्तव, डॉ० सलोनी अग्रवाल एवं अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो० जय प्रताप सिंह द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो० दीपक कुमार श्रीवास्तव द्वारा

पार्टील फिर से हो गया है ग्रामीणों का कहना है कि यहां समय से बहु विभाग की टीम आ जाती है मैटआ को आमाने से पकड़ जा सकता था।

ਪੁਸ਼ਕ ਮਿਠ, ਤੇਜਲਾਭ ਅਹਮਦ,
ਜਲੌਲਸ਼ਾਨ, ਦੇਵੀ ਅਚਲ, ਰਾਮ ਸ਼ਨੀਕਵ,

रखे। सम्मेलन का ढाका भाननीय
कौशल किये गए बंदीय मूल्य मंत्रों ने विद्या

कर पदोन्नति की जाए। मार्गों का

केकेवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एमएस-सी-गणित का शुभारंभ

○ वर्तमान में पूरी 66 सीटों पर प्रवेश दिया जा चुका है जबकि अभी भी कुछ छात्र प्रवेश हेतु महाराष्ट्र में पूछताछ कर अपना प्रवेश चाहते हैं

लोकभारती न्यूज ल्यूरे

लखनक, स्नातकोत्तर कक्षाओं
एम०एस-सी०-गणित का शुभारंभ
किया गया गणित विभाग, बप्पा
श्री नारायण वोकेश्वल स्नातकोत्तर
महाविद्यालय के०के०वी०, लखनक
द्वारा स्नातकोत्तर कक्षाओं एम०एस-
सी०-गणित का शुभारंभ किया गया।
स्नातकोत्तर कक्षा हतु प्रथम
व्याख्यान पं० दीन दयाल उपाध्याय



गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्रौद्योगिकीय संस्थान के अध्यक्ष डॉ. मुमुक्षुर कुमार श्रीवास्तव द्वारा दिया गया। जात हो कि प्रौद्योगिकीय संस्थान के अध्यक्ष द्वारा भी रहे हैं। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीवास्तव के पूर्ण छात्र भी रहे हैं। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीवास्तव द्वारा उन्हें पृष्ठ गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ भासू सरस्वती की आराधना के उपरांत मंचासीन महानुभावों द्वारा दीप प्रज्ञवलन कर किया गया। मणित विभास के अध्यक्ष प्रौद्योगिकीय संस्थान के अध्यक्ष डॉ. मुमुक्षुर कुमार दीपक द्वारा बताया गया।

कि गणित विभाग में स्नातकोत्तर कक्षाओं की मानवता हेतु पूर्व से ही प्रयोग किया जा रहा था, जो जाकर मई 2022 में फलीभूत हुआ। इस अवसर पर उन्होंने समस्त बीएसएनवी० परिवार, जिक्षकों एवं अतिथियों का आभार च्यक किया। श्री दीप्तिकृष्ण ने बताया कि गणित में स्नातकोत्तर कक्षा हेतु प्रबोध लेने वालों प्रथम छात्रा कु० दिव्या रस्तोगी हैं। वर्तमान में पूरी ६८ सीटों पर प्रवेश दिया जा चका है जबकि

अभी भी कुछ चात्र प्रवेश हेतु महा० में पूछताछ कर अपना प्रवेश चाहते हैं। सनद रहे कि लखनक विद्याविद्यालय के अतिरिक्त बी०एस०एनजी० पौ०जी० कॉलेज में ही एम०एस-सी०-गणित की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।

प्रो० सुधार कुमार श्रीवास्तव
द्वाया न्यायित व टोपोलोजी पर दिये
गये अपने व्याख्यान में बताया गया
कि गणित के किसी भी शीर्षक को
एक लाइन की परिभाषा अवश्य प्रता
होनी चाहिए। तत्पश्चात् परिभाषा की
गहराई में जाकर विस्तरेण किया
जाना चाहिए।

उन्होंने अपने लगभग 35 वर्ष के अध्ययन अनुभव के आधार पर एमएस-सी-गणित के किसार्थियों को चताया कि गणित का गहन अध्ययन सबको साथ लेकर चलना सिखाता है, जिसका भारतीय पुरान

संभवता से भी गहरा संबंध है। उनके द्वारा अपने समय में केऽकेऽवौ में गणित विभाग के पूर्व शिक्षकों के अध्यापन की भरपुर प्रशंसा भी की गई और विश्वविद्यालयों को वर्तमान फैकल्टी के अनुभव का लाभ प्राप्त कर अच्छे अंकों के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय में टॉप करने की सौभाग्य भी दी गई। कार्यक्रम में पी०जी० प्रवेश समिति के समन्वयक राजेश चन्द्र, प्रो० के०० वे० बालपंथी, प्रो० दीपक कुमार श्रीवास्तव, प्रो० जय प्रताप सिंह, प्रो० देवेन्द्र, प्रो० अरविन्द कुमार तिवारी, डॉ० अश्वन श्रीवास्तव, डॉ० अश्वनी कुमार श्रीवास्तव, डॉ० सलीमी अश्वनी श्रीवास्तव एवं अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो० जय प्रताप सिंह द्वारा किया गया तथा धन्वन्तर ज्ञापन प्रो० दीपक कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

चाडल्डलाइन ने बालगाह के बालकों के साथ मनाया बाल दिवस

સ્થાનાંતરણ કરાનો કે